ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

अमृतवेला

डबल तिलकधारी भी बनना है। डबल तिलक कौनसा है? रोज अपना तिलक देखते हो? अमृतवेले जब ज्ञान-स्नान करते हो तो तिलक भी लगाते हो? आत्मिक स्मृति वा स्वरूप का तिलक तो हो गया। दूसरा है निश्चय का तिलक। एक तो आत्मिक स्थिति का तिलक है और दूसरा हम विजयी रत्न हैं। हर संकल्प, हर कदम में विजय, सफलता भरी हुई हो। यह विजय का तिलक विक्टरी है। तो आप लोगों का तिलक है विजय का और विजयी रूप का। यह डबल तिलक सदैव स्मृति में रहे। स्मृति अर्थात् तिलकधारी बनना है। तो डबल तिलक को भी कभी भूलना नहीं है। मैं विजयी हूँ – इस स्मृति में रहने से कभी भी भिन्न-भिन्न परिस्थितियां हिला नहीं सकती। विजय हुई पड़ी है। वर्तमान समय अपनी स्थिति डगमग होने कारण विजय अर्थात् सफलता में डगमग दिखाई देते हैं। लेकिन विजय हर कर्त्तव्य में हुई पड़ी है। जैसे कोई सीजन की खराबी होती है, तो सीजन की खराबी के कारण टेलिविजन में भी स्पष्ट दिखाई नहीं देता है। इस रीति से अपनी स्थिति की हलचल होने कारण विजय का अथवा सफलता का स्पष्ट अनुभव नहीं कर पाते हो। कारण क्या है? अपनी स्थिति की हलचल स्पष्ट को भी अस्पष्ट बना देती है। उलझनों के कारण उज्ज्वल नहीं बन सकते हो। इसलिए अपनी स्थिति की हलचल नहीं होगी तो स्मृति क्लीयर होगी। वह होती है सीजन क्लीयर, यह है स्मृति क्लीयर। अगर स्मृति क्लीयर है तो सफलता भी क्लीयर रूप में दिखाई देगी।

AMRITVELA

You also have to become those who have a double tilak. What is the double tilak? Do you check your tilak every day? At amrit vela, when you bathe in knowledge, do you apply the tilak to yourself? You already have the tilak of the soul-conscious stage, of your original stage. The other is the tilak of faith. The first is the tilak of the soul-conscious stage, and the other is the tilak of being a jewel of victory. At every step, your every thought is filled with victory and success. This tilak of victory is a symbol of victory. So you have the tilak of victory and of being an embodiment of victory. Constantly have this double tilak in your consciousness. To have this consciousness means to have this tilak all the time. So you must never forget the double tilak either. By staying in the awareness of "I am victorious", the different circumstances will not be able to make you fluctuate. Victory is already guaranteed. According to the present time, because your stage fluctuates, fluctuation is visible in your victory, that is, in your success. However, victory is already guaranteed in every task. When something gets spoilt because of the season it is not clearly visible on the television either (interference). In the same way, because your stage fluctuates, you are not able to have a clear experience of success or victory. What is the reason for this? The fluctuation of your stage makes that which is clear unclear. Because of interference (confusion), you are not able to be clear and bright. Therefore, when your stage doesn't fluctuate, your awareness will be clear. That is a clear season and this is a clear awareness. If your awareness is clear, success will be visible in a clear form.

मैं आत्मा बिंदी, बाबा बिंदी

जो परमात्मा के बने हैं, उनकी ही विजय होनी है और ईश्वर को पाने से सारे विश्व के मालिक भी बन जाएंगे।

Sakar Murli - 15.11.2023

BRAHMA KUMARIS
Education Wing, Mount Abu

/SakarMurliEssence

"यह व्यर्थ की बीमारी बहुत कड़ी है जो योगी बनने नहीं देती।"

सफलता मूर्त बनने के लिए सभी बच्चों को यही एक दृढ़ संकल्प करना है कि न कभी व्यर्थ सोचेंगे, न कभी व्यर्थ देखेंगे, न व्यर्थ सुनेंगे, न व्यर्थ बोलेंगे और न व्यर्थ करेंगे...सदा सावधान रह व्यर्थ के नाम निशान को भी समाप्त करेंगे। यह व्यर्थ की बीमारी बहुत कड़ी है जो योगी बनने नहीं देती, क्योंकि व्यर्थ है विस्तार, विस्तार में भटकने वाली बुद्धि को समेटने की शक्ति द्वारा सार स्वरूप में स्थित करो तब सहजयोगी, सफलतामूर्त बनेंगे।

Sakar Murli - 05-04-2018

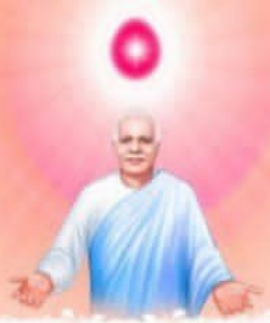

अव्यक्त शिक्षाएँ

आप ईश्वरीय प्यार के पात्र बन गये। यह कितना महान भाग्य है। आप सर्व आत्माओं को परमात्म प्यार मिला, परमात्मा के प्यारे बने। इससे बड़ी वस्तु और कुछ है? प्यार है तो जहान है, जान है। प्यार नहीं तो बेजान, बेजहान हैं। प्यार मिला अर्थात् जहान मिला। ऐसा प्यार, श्रेष्ठ भाग्य अनुभव करते हो? दुनिया इसकी प्यासी है। एक बूँद की प्यासी है और आप बच्चों का यह प्रभु प्यार प्रापर्टी है। इसी प्रभु प्यार से पलते हो। अर्थात् ब्राह्मण जीवन में आगे बढ़ते हो। ऐसा अनुभव करते हो? प्यार के सागर में लवलीन रहते हो? वा सिर्फ़ सुनते वा जानते हो? अर्थात सागर के किनारे पर खड़े-खड़े सिर्फ़ सोचते और देखते रहते हो! सिर्फ़ सुनना और जानना यह है किनारे पर खड़ा होना। मानना और समा जाना यह है प्रेम के सागर में लवलीन होना। प्रभु के प्यारे बनकर भी सागर में समा जाना, लीन हो जाना यह अनुभव नहीं किया तो प्रभु प्यार के पात्र बन करके पाने वाले नहीं लेकिन प्यासे रह गये। पास आते भी प्यासे रह जाना इसको क्या कहेंगे? सोचो किसने अपना बनाया! किसके प्यारे बने! किसकी पालना में पल रहे हैं? तो क्या होगा? सदा स्नेह में समाये हुए होने कारण समस्यायें वा किसी भी प्रकार की हलचल का प्रभाव पड़ नहीं सकता। सदा विघ्न विनाशक, समाधान स्वरूप, मायाजीत अनुभव करेंगें।

अ.बापदादा-10.04.84

BK SHIVANI

बच्चे हमसे झूठ क्यों बोलते हैं...
क्यूंकि सच बोलने पर डांट पड़ती है।

सच बोलने पर बच्चों को –
सच बोलने के लिए सराहा जाये,
उनका मिसाल औरों को दिया जाये,
उन्हें गलत या बुरा ना कहा जाये,
शिक्षा – प्यार और शक्ति के साथ दी जाये।

बच्चे सच बोलने के लिए तैयार हैं,
क्या हम सच सुनने के लिए तैयार हैं ?

When Something Goes Wrong, Think There Is Benefit In Everything. Then Is What Is To Be Learnt From The Situation

DADI JANKI.

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org